Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding alleged Relligious Conversion in Jharkhand.

श्री संजय सेठ (राँची): महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद । … (व्यवधान) झारखंड में विगत कई वर्षों से एक गंभीर समस्या चल रही है ।… (व्यवधान) जब से यूपीए की सरकार, हेमंत सोरेन की सरकार आई है तब से यह समस्या बहुत तेजी से बढ़ी है ।… (व्यवधान) इसका प्रतिरोध भी बढ़ा है ।… (व्यवधान) ईसाई मिशनरियों के द्वारा झारखंड में पहले से धर्मांतरण का कार्य किया जा रहा है । अब यह कार्य इस्लामिक संस्थाओं के द्वारा भी किया जा रहा है । भोले-भाले आदिवासियों को लोभ, लालच देकर, झूठा चमत्कार दिखाकर, सब्जबाग दिखाकर उनका धर्मांतरण किया जाता है । विशेष रूप से आदिवासी बेटियों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है । उनकी जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है । आदिवासी बहुल क्षेत्रों से उन्हें चुनाव तक लड़वाया जा रहा है । जो बेटियाँ यह सब करने को तैयार नहीं होती, इस्लाम नहीं कबूलती, उनकी हत्या भी की जा रही है ।… (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, ये क्या बोल रहे हैं? … (व्यवधान)

श्री संजय सेठ: अभी दो दिन पहले साहिबगंज में एक ऐसी घटना हुई है । रबिका पहाड़िया, जिसके 50-50 टुकड़े कर दिए गए, क्योंकि उसने धर्मांतरण स्वीकार नहीं किया । इलेक्ट्रॉनिक कटर से उसके टुकड़े कर दिए गए । धर्मांतरण को लेकर देशव्यापी आंदोलन भी चल रहा है । पूर्व में झारखंड के वरिष्ठ सामाजिक प्रवर्तक रहे बाबा कार्तिक उरांव ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी, परन्तु तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने ध्यान नहीं दिया ।… (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, ये कुछ भी बोल रहे हैं । आप इन्हें रोकिए ।… (व्यवधान)

श्री संजय सेठ: जनजातीय सुरक्षा मंच के माध्यम से वर्तमान समय में एक देशव्यापी आंदोलन चल रहा है, जिसमें धर्मांतरित होने वाले आदिवासी का दर्जा समाप्त करने की माँग की जा रही है ।… (व्यवधान) वर्तमान समय में ऐसे लोग आदिवासियों से जुड़ी योजनाओं व अन्य चीजों का लाभ लेते हैं और ईसाइयत और मुस्लिम के नाम पर अल्पसंख्यकों से जुड़ी योजनाओं का भी लाभ लेते हैं । माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी पिछले दिनों यह कहा है कि दवाएं और अनाज देना परोपकार है, परन्तु इसकी आड़ में धर्मांतरण पूरी तरह गलत है ।

मेरा आग्रह है कि इस दिशा में कठोर कदम उठाए जाएं ताकि झारखंड की आदिवासी बेटियाँ, उनकी जमीन, उनकी पहचान सुरक्षित रह सके । धन्यवाद ।… (व्यवधान)

माननीय सभापति: उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया है ।

… (व्यवधान)